परमात्म ऊर्जा

पुराने संस्कारों का समाप्ति समारोह

बाप भी बेहद का, वर्सा भी बेहद का, अधिकार भी बेहद का लेकिन लेने वाले नम्बरवार बन जाते हैं, ऐसा क्यों? इसके सार रूप में दो कारण हैं-1. बुद्धि में स्वच्छता नहीं और मन की लाइन क्लियर नहीं। 2. हर कदम में सावधानी नहीं अर्थात् केयरलेस है परन्तु केयरफुल नहीं। ब्राह्मण जीवन का मुख्य आधार क्या है? मुख्य आधार कहो, नवीनता कहो, अलौकिकता कहो, जीवन का श्रृंगार कहो, वह है ही पवित्रता और मर्यादा। ब्राह्मण जीवन की चैलेंज ही है कामजीत, क्रोधजीत, यही असंभव से संभव कर दिखाने की श्रेष्ठ से श्रेष्ठ ज्ञान और श्रेष्ठ ज्ञानदाता की निशानी है। जैसे नामधारी ब्राह्मण की निशानी चोटी और जनेऊ है। वैसे सच्चे ब्राह्मण की निशानी - स्वच्छता अर्थात् पवित्रता और मर्यादाएं हैं। पवित्रता की पहली आधारमूर्त प्वाइंट स्मृति की पवित्रता। आत्मा शब्द सभी कहते हैं लेकिन सब ब्राह्मण आत्मा यही कहेंगे कि मैं शुद्ध आत्मा हूँ, मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ, पूज्यनीय आत्मा हूँ, मैं पूर्वज आत्मा हूँ, यह स्मृति की स्वच्छता। यदि वृत्ति और दृष्टि यह स्मृति का फाउंडेशन कमज़ोर है, फिर महापाप होता है। सदा सावधानी हर पल रखनी है कि संकल्प से, वृत्ति से व दृष्टि में भी गफलत ना हो, इतना केयरफुल रहना है। श्रेष्ठ परिवार है तो सबको श्रेष्ठ वृत्ति और दृष्टि से ही देखो। पवित्र स्मृति रखो और भाई-भाई की वृत्ति रखो, अब हद के पुराने और कमज़ोर संस्कारों का समाप्ति समारोह मनाओ, तब सम्पूर्ण सम्पन्न समारोह होगा।

कथा सरिता

छोटे-छोटे प्रयास से बड़ी सफलता...

एक विद्यार्थी गणित से बेहद डरता था। परीक्षा पास आ रही थी। लेकिन उसे समझ नहीं आता था कि पढ़ाई कहाँ से शुरू करे। एक दिन उसके गुरु जी उसे नदी किनारे ले गए। उन्होंने कहा- "इस पत्थर को उठाने की कोशिश करो।" छात्र ने बहुत ज़ोर लगाया, पर

पत्थर हिला भी नहीं।

तभी गुरु जी ने उसे बाल्टी में पानी भरने को कहा। वे हर दिन बाल्टी में थोड़ा-सा पानी भरते और पत्थर पर डालते। धीरे-धीरे महीनों बाद वह पत्थर नरम होकर टूटने लगा। गुरु जी बोले -"देखा? बड़े से बड़ा काम भी रोज़ के छोटे प्रयासों से आसान हो जाता है।"

विद्यार्थी को बात समझ आ गई। उसने रोज़ केवल एक-एक अध्याय के छोटे हिस्से पढ़ने शुरू कर दिए। एक महीने बाद वही अध्याय उसे आसान लगने लगे। परीक्षा में वह अच्छे अंकों से पास हुआ।

शिक्षा : रोज़ थोड़ी-थोड़ी मेहनत समय के साथ बहुत बड़ा परिणाम देती है। निरंतरता ही सफलता का असली रहस्य है।

मिट्टी का दीपक

एक कुम्हार रोज़ मिट्टी के दीपक बनाता था, पर उसका बेटा हमेशा शिकायत करता कि "हम छोटे लोग हैं, हमारे दीपक की कोई कीमत नहीं।" कुम्हार ने मुस्कुराकर कहा, "समय आने पर पता चलेगा।"

दीवाली आई, बाज़ार रंग-बिरंगा हो गया। बेटा हैरान था लोग बड़े-बड़े सजावटी सामान खरीद रहे थे, लेकिन शाम होने पर सबके हाथ में केवल साधारण मिट्टी के दीपक थे। कुम्हार बोला, "देखा? अंधेरा मिटाने के लिए दुनिया को बड़ी-बड़ी चीज़ों की नहीं, छोटे से दीपक की रोशनी की ज़रूरत होती है।"

बेटे के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उसे समझ आया कि किसी की कीमत उसके आकार, रूप या स्थिति से नहीं, बल्कि उसके काम और उद्देश्य से तय होती है।

शिक्षा : हम चाहे छोटे हों, साधारण हों, लेकिन सही समय पर हमारी रोशनी दुनिया बदल सकती है।

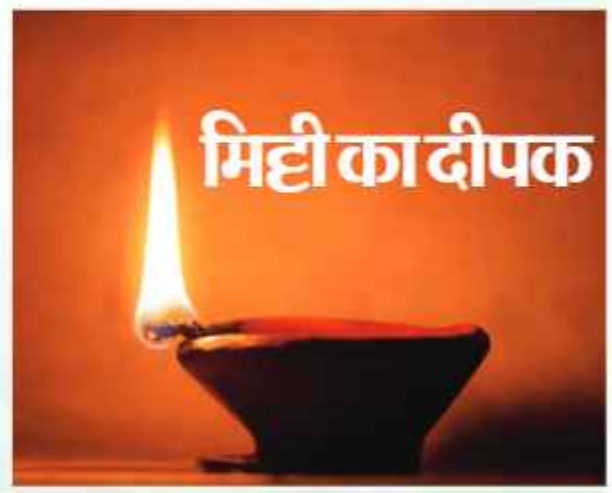

मोकामा-बड़हिया(बिहार)। अंचल अधिकारी राकेश आनंद को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रोशनी।

कालिम्पोङ-प.ब.। रक्षाबंधन के अवसर पर कालिम्पोङ के जिला न्यायाधीश उत्पल मिश्र को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अलका।

मोहम्मदाबाद गोहना-मऊ(उ.प्र.)। शहर के व्यापार मंडल द्वारा आयोजित 'खुशहाल जीवन और सम्बन्धों में मधुरता के लिए राजयोग मेडिटेशन' कार्यक्रम के दौरान सभा को सम्बोधित करते हुए संस्था के क्षेत्रीय प्रबंधक राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र। मौके पर उपस्थित रहे राजयोगिनी ब्र.कु. विमला दीदी,मऊ, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गोमा, क्षेत्रीय कार्यालय की मोटिवेशनल ट्रेनर ब्र.कु. तापोशी, ब्र.कु. निर्मला,गाजीपुर, उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष एवं मोहम्मदाबाद गोहना के नगर अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्त, चेयरमैन प्रतिनिधि एवं पूर्व अध्यक्ष राजकीय महाविद्यालय दीपक डायमंड, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुमन्त कुमार गुप्त, व्यापार मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी महामंत्री ब्र.कु. सुधीर गुप्ता, सम्मानित व्यवसायी ब्र.कु. अरविंद गुप्ता, टाउन इंटर कॉलेज के भूतपूर्व प्रिंसिपल हरिशचंद्र दुबे तथा अन्य।

नोएडा-उ.प्र.। गीता जयंती के पावन अवसर पर गीता भवन,लक्ष्मीनारायण मंदिर के सभागार में एक विशेष आध्यात्मिक संभाषण कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक गुरु आचार्य मनीष जी से मुलाकात करते हुए आमंत्रित ब्रह्माकुमारी बहनें व भाई।

बहल-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर भैया दूज के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा व मंडल अध्यक्ष सुनील सांगवान को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया तथा अन्य।

बाढ़-पटना(बिहार)। वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर कारागार में आयोजित शिविर में योग और ध्यान के माध्यम से तनाव मुक्त जीवन जीने की कला पर सम्बोधित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति। मौके पर उपस्थित रहे उप कारागार अध्यक्ष गौतम प्रसाद सिंह, सहायक जेल अधीक्षक फरहत परवीन तथा अन्य।

बाली चौकी-हिमाचल प्रदेश। लारजी पंचायत में हिन्दू महासम्मेलन में 'आध्यात्मिकता द्वारा मूल्यनिष्ठ समाज' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. दक्षा।